विद्या - भवन बालिका विद्यापीठ, लखीसराय
वर्ग - तृतीय विषय - हिंदी व्याकरण
एनसीआरटी पर आधारित
दिनांक - **08-04- 2021**
पाठ - **1**
हमारी भाषा

सुप्रभात बच्चअॅ ,

आज का शेष भाग इस प्रकार है ।

भाषा के रूप

- जब हम बोल कर अपने विचार प्रकट करते हैं और दूसरे उसे सुनकर समझते हैं , तब हमारी भाषा मौखिक भाषा कहलाती है । जैसे -

- जब हम लिख कर अपने विचार प्रकट करते हैं और दूसरे उसे पढ़कर समझते हैं , तब हमारी भाषा लिखित भाषा कहलाती है । जैसे -

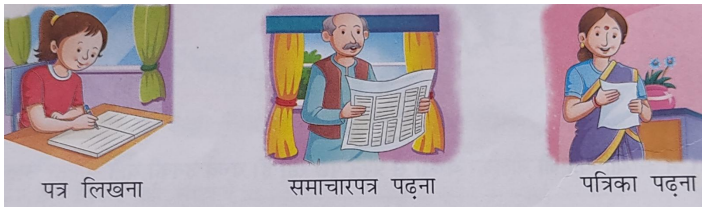

इस प्रकार हम जान गए की भाषा कि भाषा के दो रूप होते हैं

- मौखिक भाषा , जैसे - बोलकर , सुनकर
- लिखित भाषा , जैसे - लिखकर , पढ़कर

कभी-कभी हम संकेतअॅ (इशारअॅ) द्वारा भी अपने मन के विचार दूसरअॅ को समझाते हैं । इसे सांकेतिक भाषा कहते हैं । क्रिकेट के अंपायर और यातायात पुलिस संकेतअॅ से ही अपनी बात बताते हैं ।

बच्चअॅ , आज के लिए इतना ही शेष अगली कक्षा में
दिए, गए अध्ययन - सामग्री को पूरे मनोयोग से पढ़ें तथा समझने का प्रयास करें ।

****

ज्योति